तकनीक अग्रणी राष्ट्र ही विश्व का नेतृत्व करते हैं : भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री भजनलाल ने एम.एन.आई.टी. दीक्षांत समारोह में 21 विद्यार्थियों को गोल्ड मैडल दिए

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आज का युग तकनीक, नवाचार और ज्ञान का युग है, और जो राष्ट्र इन क्षेत्रों में अग्रणी होते हैं, वही विश्व का नेतृत्व करते हैं। उन्होंने कहा कि भारत को केवल तकनीक का उपभोक्ता नहीं, बल्कि निर्माता बनाना होगा और इसके लिए युवा शक्ति को आगे आकर देश की प्रौद्योगिकीय क्षमताओं को नई ऊँचाइयों तक पहुंचाना होगा।

> ■ **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि ''इस वर्ष संस्थान में 150 से अधिक डॉक्टरेट की उपाधियां प्रदान की गई हैं। 30 से अधिक दिव्यांगों ने स्नातक की डिग्री प्राप्त की तथा 77 अन्तर्राष्ट्रीय छात्रों ने प्रवेश लिया।''**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एम.एन.आई.टी. दीक्षांत समारोह में आर्किटेक्चर और प्लानिंग में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक तथा डिग्रियाँ प्रदान कीं।

मुख्यमंत्री शनिवार को मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनआईटी), जयपुर के 19वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने बी.टेक, एम.टेक, एम.एससी., एम.बी.ए. तथा आर्किटेक्चर और प्लानिंग में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 21 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक पहनाकर डिग्रियां प्रदान कीं। साथ ही हिन्दी भाषा में प्रकाशित टेक्निकल जर्नल का भी विमोचन किया।मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष संस्थान से 150 से अधिक विद्यार्थियों को डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की गई, वहीं 30 से अधिक दिव्यांग विद्यार्थियों ने स्नातक की डिग्री प्राप्त की। इस वर्ष 77 अंतरराष्ट्रीय छात्रों का भी संस्थान में प्रवेश हुआ है।मुख्यमंत्री ने कहा कि एमएनआईटी ने अनुसंधान, नवाचार, स्टार्टअप सहयोग और वैश्विक साझेदारियों के माध्यम से राजस्थान और देश को गौरवान्वित किया है। संस्थान का उत्तर भारत में शीर्ष एनआईटी के रूप में स्थान प्राप्त करना गर्व की बात है। संस्थान द्वारा 249 परामर्श परियोजनाएं और 13 करोड़ रुपये से अधिक की राशि से कई अनुसंधान कार्य किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने एमएनआईटी द्वारा भारतीय सेना की दक्षिण पश्चिम कमान, रैडॉक्स इंजीनियरिंग और परमाणु ऊर्जा विभाग के न्यूक्लियर फ्यूल कॉम्प्लेक्स के साथ किए गए एमओयू को संस्थान की एक बड़ी उपलब्धि बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आई-स्टार्ट कार्यक्रम के तहत 66 लॉन्चपैड नेस्ट बनाए गए हैं। वर्ष 2024-25 में अब तक 2028 स्टार्टअप्स को पंजीकृत किया गया है, जिसमें से 300 स्टार्टअप्स को लगभग 11 करोड़ रुपये की फंडिंग भी प्रदान की गई है।

राज्य में ''लर्न, अर्न एंड प्रोग्रेस'' प्रोग्राम के तहत विफल स्टार्टअप्स को पुनर्जीवित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त, ''अर्ली करियर प्रोग्राम (टेकबी)'' शुरू कर 12वीं के तुरंत बाद युवाओं के लिए कौशल विकास और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में युवाओं को रोजगार देने के लिए सरकार ने ऐतिहासिक कार्य किए हैं। अब तक लगभग 91 हजार सरकारी पदों पर नियुक्तियां दी जा चुकी हैं और करीब 1.54 लाख पदों पर भर्ती प्रक्रिया विभिन्न चरणों में है।

प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना से राजस्थान के आठ जिले लाभांवित होंगे : मुख्यमंत्री

इन जिलों में सूक्ष्म सिंचाई, बीमा, तकनीकी सहयोग व भंडारण सुविधाओं का तेजी से विस्तार कर रहे : भजनलाल शर्मा

पीएम धन-धान्य कृषि योजना और दलहन आत्मनिर्भरता मिशन का शुभारंभ
एवं कृषि अवसंरचना कोष, पशुपालन, मत्स्य पालन और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र
की 1100 से अधिक परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास
SIAM दुर्गापुरा, जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को राज्य कृषि प्रबंधन संस्थान, दुर्गापुरा में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित किया। इस मौके पर कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा, सांसद राव राजेन्द्र सिंह और मंजू शर्मा भी मौजूद रहे।

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू की गई ''प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना और दलहन आत्मनिर्भरता मिशन'' केवल योजनाएं नहीं, बल्कि देश की कृषि व्यवस्था में एक नए युग की शुरुआत है। मुख्यमंत्री शनिवार को राज्य कृषि प्रबंधन संस्थान, दुर्गापुरा में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस अवसर पर नई दिल्ली में आयोजित प्रधानमंत्री के विशेष कृषि कार्यक्रम से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़कर देशव्यापी पहल का हिस्सा भी बने।

मुख्यमंत्री शर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना के तहत देश के 100 कृषि जिलों को चुना गया है, जिनमें राजस्थान के 8 ज़िले - बाड़मेर, जैसलमेर, नागौर, जोधपुर, बीकानेर, पाली, जालोर और चूरू शामिल हैं। इन जिलों का चयन उनकी कम उत्पादकता, औसत से कम फसल ऋण और सिंचाई सुविधाओं के आधार पर किया गया है।

इस योजना के तहत फसल विविधीकरण, सिंचाई का विस्तार, भंडारण क्षमता में वृद्धि, किसानों को आसान ऋण और तकनीकी सलाह की सुविधा दी जाएगी। इस कार्य में कृषि, पशुपालन, मत्स्य, खाद्य प्रसंस्करण, ग्रामीण विकास और जल संसाधन जैसे कुल 11 विभाग एक साथ समन्वय में कार्य करेंगे।मुख्यमंत्री ने बताया कि राजस्थान में अब तक 23 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सूक्ष्म सिंचाई संयंत्र (ड्रिप और स्प्रिंकलर) लगाए जा चुके हैं, जिससे जल संरक्षण और उत्पादन में सुधार हुआ है। आने वाले वर्षों में राज्य का हर खेत सिंचित करने का लक्ष्य रखा गया है। शर्मा ने कहा कि पिछले दो वर्षों में राज्य में 7.5 करोड़ से अधिक फसल बीमा पॉलिसी जारी की गई हैं और 1.76 करोड़ पॉलिसीधारक किसानों को 5965 करोड़ का मुआवजा दिया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देने के लिए 35 हजार से अधिक फार्म पॉन्ड, 7 हजार 900 डिग्गियां और 98 हजार से अधिक पाइपलाइन यूनिटें बनाई गई हैं। रामजल सेतु लिंक परियोजना, पार्वती और काली सिंध नदी लिंक परियोजनाएं तथा ईस्टर्न राजस्थान केनाल प्रोजेक्ट तेजी से प्रगति पर हैं, जिससे सिंचाई के लिए स्थायी समाधान मिलेगा।

कार्यक्रम में कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा, सांसद राव राजेन्द्र सिंह, मंजू शर्मा, कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

एन.एस.यू.आई. की रैली आज

जयपुर। एन.एस.यू.आई. राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष विनोद जाखड़ व अन्य साथियों की रिहाई की मांग को लेकर 12 अक्टूबर रविवार को जयपुर में जन आक्रोश महारैली का आयोजन किया जायेगा। यह रैली प्रातः 11 बजे 200 फीट बाईपास, हीरापुरा से प्रारंभ होकर शहीद स्मारक, जयपुर तक जाएगी। इस दौरान हजारों कार्यकर्ता, विद्यार्थी एवं युवा साथी लोकतंत्र की बहाली और छात्र अधिकारों की आवाज बुलंद करेंगे। एनएसयूआई नेताओं ने बताया कि यह शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक रैली होगी।

डॉक्टर्स बैडमिंटन लीग 21 नवंबर से

जयपुर । डॉक्टर्स व उनके परिवारजनों के बीच लोकप्रिय डॉक्टर्स प्रीमियर लीग के सातवें सीजन का आगाज़ आगामी 21 नवंबर को होगा। यह लीग मैच स्पोफिट अकेडमी में 30 नवंबर तक खेले जाएंगे। डीबीएल संयोजक डॉ. हरीश भारद्वाज ने बताया कि प्रतियोगिता का प्रारूप तैयार किया गया है, जिसमें पुरुष, महिला, किड्स वर्ग टीम इवेंट, दबंग और मलंग डबल्स, ट्रायो चैंपियन, बैडमिंटन जोड़ी ऑफ ईयर आयोजित की जायेगी। डीबीएल के ऑर्गेनाइजिंग चेयरमैन डॉ. अनिल यादव ने बताया कि पुरुष वर्ग के कॉर्डिनेटर डॉ. दिलीप गुप्ता, डॉ. श्रवण और डॉ. मनीष जैन होंगे व महिला वर्ग के कॉर्डिनेटर प्रेम चौधरी, डॉ. रश्मि डॉ.सतपाल यादव होंगे। बच्चों की प्रतियोगिता के कॉर्डिनेटर डॉ. निधि पुनिया व डॉ. नफीस होंगे।

खाद्य सुरक्षा टीम ने 1275 किलो मिलावटी मसाले जब्त किए

जयपुर। राज्य सरकार के ''शुद्ध आहार-मिलावट पर वार'' अभियान के तहत शनिवार को जयपुर में खाद्य सुरक्षा दल ने मिलावटी मसालों की एक बड़ी खेप पकड़ी। यह कार्रवाई आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण, राजस्थान डॉ. टी. शुभमंगला के निर्देश एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर प्रथम डॉ. रवि शेखावत के मार्गदर्शन में की गई।

कार्रवाई के क्रम में टीम ने एक लोडिंग ऑटो को पकड़ा, जिसमें हल्दी, मिर्च और धनिया पाउडर से भरे 11 कट्टे मिले। पूछताछ के आधार पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी दल मुरलीपुरा स्थित कर्ती एंटरप्राइजेज फर्म तक पहुंचा। निरीक्षण के दौरान फर्म परिसर में कुल 29 कट्टों में लगभग 1275 किलोग्राम मिलावटी मसाले पाए गए। इस व्यापारी के यहां से पूर्व में भी लिए गए मसालों के नमूने अनसेफ पाए जा चुके हैं। मसालों में मिलावट को ध्यान में रखते हुए खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम की धारा 64 के तहत रिपोर्ट प्राप्त होने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर प्रथम डॉ. रवि शेखावत ने कहा कि मिलावटखोरी के खिलाफ जिला प्रशासन की कार्रवाई सतत जारी है। नियमित बैठकों के माध्यम से रणनीति बनाकर ऐसे व्यापारियों की पहचान की जा रही है और उनके विरुद्ध सख्त एवं निरंतर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। इस कार्रवाई में खाद्य सुरक्षा अधिकारी विनोद कुमार शर्मा, वीरेंद्र कुमार सिंह, नरेश कुमार चेजारा, विशाल मित्तल, नरेंद्र शर्मा एवं पवन कुमार गुप्ता शामिल रहे।

खाद्य सुरक्षा टीम ने शनिवार को 1275 किलो मिलावटी मसालों की खेप पकड़ी।

सवाई मानसिंह अस्पताल से जब्त किए कई दस्तावेज

> ■ **न्यूरो सर्जरी विभाग के एच.ओ.डी. के रिश्वत का मामला**

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) जयपुर मुख्यालय की टीम शनिवार को एसएमएस अस्पताल पहुंची। यहां डॉक्टर मनीष अग्रवाल के दोनों कार्यालय में जांच शुरू की।

वहीं एसएमएस प्रशासन की ओर से अतिरिक्त सुपरिटेंडेंट डॉक्टर राजेश शर्मा को एसीबी की मदद करने के लिए नोडल अधिकारी बनाया गया है। इस दौरान एसीबी को डॉक्टर मनीष अग्रवाल द्वारा की गई खरीद के सम्बन्ध में कई दस्तावेज मिले। जिन की जांच शुरू कर दी गई हैं।डीजी एसीबी स्मिता श्रीवास्तव के निर्देश पर एएसपी संदीप सारस्वत के नेतृत्व में एसएमएस हॉस्पिटल और मेडिकल कॉलेज में डॉ मनीष अग्रवाल के एचओडी न्यूरो सर्जरी और अतिरिक्त प्रिंसिपल एसएमएस मेडिकल कॉलेज के कार्यकाल के दौरान किए गए सभी आइटम्स एवं उपकरणों के प्रिक्योरमेंट, स्टोर से किए गए इंडेंट और उनके हस्ताक्षर से किए गए सभी भुगतानों से संबंधित सभी दस्तावेज जब्त किए गए। बाकी का रिकॉर्ड सोमवार को एसीबी सीज करेगी। गौरतलब है कि भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम ने न्यूरो सर्जरी विभाग के एचओडी और एसएमएस मेडिकल कॉलेज के अतिरिक्त प्रिंसिपल डॉक्टर मनीष अग्रवाल को एक लाख रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया था। जिन्हें कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया हैं।

बदमाशों ने की युवक पर फायरिंग

जयपुर। खोह-नागोरियान थाना क्षेत्र में शनिवार रात उस समय सनसनी फैल गई जब आधा दर्जन बदमाशों ने एक युवक पर फायरिंग कर दी। कार से आए बदमाशों ने डंडे से युवक को पीटने के बाद फायर किया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक को अस्पताल में भर्ती करवाया है। पुलिस ने हमलावरों की तलाश में नाकाबंदी करवाई, लेकिन कार सवार बदमाशों का सुराग नहीं लगा। पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी है थानाधिकारी ओमप्रकाश ने बताया कि करौली के रहने वाले बृजराज मीना (30) के पैर में गोली मारी गई है। जो शनिवार की देर शाम को अपने दो दोस्तों के साथ रिद्धी-सिद्धी एसबीआई के पास सोया चाप खाना आया था। सोयाचाप दुकान के बाहर खड़े होने के कारण चार-पांच लड़कों ने उस पर हमला कर दिया।

बारबाडोस में गूंजा 'वसुधैव कुटुंबकम्'

जयपुर । राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बारबाडोस में आयोजित 68वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन में सक्रिय भागीदारी निभाई। सम्मेलन के दौरान गवर्निंग काउंसिल की बैठक में उन्होंने लोकतांत्रिक मूल्यों, सुशासन, बहुपक्षीय सहयोग और सतत विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक चर्चा की। देवनानी ने बताया कि सम्मेलन न केवल विचारों के आदान-प्रदान का एक महत्वपूर्ण मंच रहा, बल्कि विश्वभर की संसदीय परंपराओं से सीखने का एक दुर्लभ अवसर भी प्रदान किया। उन्होंने कहा कि भारत की लोकतांत्रिक प्रतिबद्धता और मजबूत संसदीय परंपराएं वैश्विक समुदाय के लिए प्रेरणा का स्त्रोत हैं।

अपने प्रवास के दौरान देवनानी ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के साथ बारबाडोस स्थित भारतीय दूतावास में प्रवासी भारतीय समुदाय से संवाद किया। इस अवसर पर भारतीय मूल के नागरिकों ने देश के प्रति अपनी भावनाएं साझा की।

देवनानी ने कहा कि विदेशों में रहकर भी प्रवासी भारतीय भारतीय संस्कृति और मूल्यों से गहरे जुड़े हुए हैं, जो गर्व की बात है।

संत मुरलीधर सुनाएंगे संगीतमय ''नानी बाई को मायरो'' कथा

जयपुर। जयपुर के आराध्य देव श्री गोविंददेवजी के सानिध्य में नानी बाई का मायरा श्री लक्ष्मी जगदीश मानस परिवार त्रिवेणी नगर जयपुर द्वारा दिनांक 13 अक्टूबर से 17 अक्टूबर तक दोपहर 1 बजे से शाम 5 बजे तक सामुदायिक केंद्र त्रिवेणी नगर गोपालपुरा बायपास जयपुर मैं आयोजित किया जा रहा है। इस कथा में भक्त नरसी की भगवान श्री कृष्ण के प्रति अटूट आस्था का वर्णन किया गया है यह कथा बताती है कि कैसे भगवान श्री कृष्ण ने स्वयं नानी बाई के मायरे भात को पूरा करके परिवार का सम्मान बचाया। इस प्रेरणादायक कथा का गायन और प्रवचन संत मुरलीधर महाराज कथा व्यास पीठ जोधपुर द्वारा किया जाएगा।

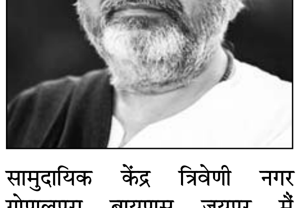

मंदिर लूटकांड के बदमाशों की परेड निकाली

जयपुर। माणकचौक थाना पुलिस ने बड़ी चौपड़ स्थित लक्ष्मीनारायण मंदिर में हुई लूट के प्रयास की वारदात का खुलासा करने के बाद शनिवार को आरोपियों की पैदल परेड कराई। थानाधिकारी राकेश ख्यालिया के नेतृत्व में पुलिस टीम ने आरोपियों को माणक चौक थाना से लेकर बड़ी चौपड़ स्थित श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर तक पैदल जुलूस के रूप में ले जाकर घटनास्थल का निरीक्षण कराया। यह वही स्थान था, जहां 1 अक्टूबर को बदमाशों ने चोरी और लूट का प्रयास किया था। पुलिस ने जिन आरोपियों को पकड़ा है, उनके नाम मुईनुद्दीन, इकराम, अफसार उर्फ आधा किलो और अयाज बताए गए हैं। बाजार में जब पुलिस बदमाशों को पैदल लेकर पहुंची तो देखने वालों की भीड़ जमा हो गई। लोगों ने पुलिस के इस कदम की खुले दिल से सराहना की और कहा कि ऐसे कड़े कदम अपराधियों में कानून का भय बढ़ाते है।

हरमाड़ा क्षेत्र में 35 लाख रु. के गहने लूटकर फरार हुए बदमाश

जयपुर । हरमाड़ा इलाके में कमीशन पर काम करने वाले एजेंट से 35 लाख रुपए के गहने लूटने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि एजेंट सोने के 5 हार लेकर ग्राहक बने लुटेरों को दिखाने गया था। बदमाशों ने पीड़ित को बातों में फंसाकर लूट की वारदात को अंजाम दिया। पीड़ित ने घटना के बाद पुलिस और मालिक को सूचना दी। जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और नाकेबंदी लगा दी गई है। बदमाशों की पहचान करने का प्रयास कर रहे है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम हनुमान प्रसाद ने बताया कि हरमाड़ा थाना इलाके में शनिवार की शाम को पीड़ित रितेश वर्मा निवासी हरमाड़ा ने कंट्रोल रूम को सूचना दी कि वह हरमाड़ा इलाके में ज्वैलरी लेकर गया था। जहां उसके साथ लूट की वारदात हुई। सूचना मिलने पर पुलिस जाब्ता मौके पर पहुंचा और पीड़ित रितेश वर्मा से घटना को लेकर जानकारी ली, जिसके बाद पीड़ित द्वारा बताए गए घर की तलाशी ली और इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच शुरू की। थानाधिकारी उदयसिंह यादव ने बताया कि पीड़ित रितेश वर्मा ने मामला दर्ज करवाया है कि पिछले कुछ दिनों से अमित जांगिड़ नाम का व्यक्ति उसे सोने के हार दिखाने के लिए बोल रहा था। जिस पर शनिवार को बाजार में अधिक काम नहीं होने के कारण वह सुबह ज्वेलर्स के यहां गया और 5 सोने के हार लेकर आरोपित द्वारा बताए गए पते बालाजी कॉलोनी में पहुंचा।

मौके पर अमित जांगिड़ मिला और वह उसे लेकर एक मकान में गया। जहां पर अमित और कुछ और लोग भी पहले से मौजूद थे। इन बदमाशों ने हार दिखाने के लिए कहा, जिसके बाद पीड़ित ने बैग में रखे हुए पांच हार निकाले और आरोपियों को दिखाना शुरू किया। इस दौरान आरोपित ने एक-एक हार की कीमत पूछी और पर्ची पर लिखना शुरू किया। कुछ देर में आरोपियों ने उससे कहा कि वह बैग छोड़कर यहां से चला जा। जिस पर पीड़ित ने उन्हें समझाया कि वह कमीशन पर काम करता है। लेकिन बदमाशों ने उसकी एक न सुनी और उसके साथ मारपीट करने लगे। जहां शोर-शराबा होने पर कॉलोनी के लोग एकत्रित हो गए। लोगों को एकत्रित होता देख कर बदमाश मौके से भाग निकले।

सीकर रोड पर लाइटिंग आज से

जयपुर । दीपोत्सव के उपलक्ष्य में सीकर रोड व्यापार महासंघ द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी भव्य लाइटिंग, सजावट एवं प्रवेश द्वार का सुंदर निर्माण किया गया है। इस विशेष आयोजन का शुभारंभ रविवार शाम 6:30 बजे उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी द्वारा किया जाएगा। महासंघ के अध्यक्ष दिनेश मित्तल ने बताया कि इस बार दीपावली को लेकर सीकर रोड को विशेष रूप से सजाया गया है। चोमू पुलिया से लेकर 14 नंबर तक पूरी सड़क को रंग-बिरंगी आकर्षक लाइटों, झिलमिल सजावटों और पारंपरिक दीपों की श्रृंखलाओं से रोान किया गया है।

नए आपराधिक कानूनों की पहली वर्षगांठ पर 13 अक्टूबर होगी गुलाबी नगरी में भव्य प्रदर्शनी

राजस्थान में नए कानूनों के क्रियान्वयन से आए परिवर्तनों को प्रदर्शनी में दर्शाया जाएगा : मुख्य सचिव सुधांश पंत

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। देश की आपराधिक न्याय प्रणाली में क्रांतिकारी बदलाव लाने वाली तीन नवीन आपराधिक संहिताओं को लागू हुए एक वर्ष पूरा हो चुका है। 1 जुलाई 2024 से लागू हुए इन ऐतिहासिक कानूनों की पहली वर्षगांठ के उपलक्ष्य में केंद्र सरकार दंड के स्थान पर न्याय की अपनी अवधारणा को प्रदर्शित करने के लिए जयपुर में एक आयोजन करने जा रही है। नए आपराधिक कानूनों के एक वर्ष के सकारात्मक बदलाव के लिए जयपुर एग्जीबिशन एवं कन्वेंशन सेंटर (जेईसीसी) सीतापुरा में 13 से 18 अक्टूबर 2025 तक भव्य प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है।

इस महत्वपूर्ण प्रदर्शनी का उद्घाटन 13 अक्टूबर को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह करेंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और कार्यवाहक मुख्य न्यायाधिपति, राजस्थान उच्च न्यायालय संजीव प्रकाश शर्मा सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहेंगे।

वहीं नए अपराधी कानून पर आयोजित होने जा रही प्रदर्शनी के शनिवार को पुलिस मुख्यालय के ऑडिटोरियम में मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह भास्कर ए.सावंत और पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा की मौजूदगी में कर्टन रेजर कार्यक्रम आयोजित किया गया।

मुख्य सचिव पंत ने इस मौके पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अनुसार नए आपराधिक कानून जनता का, जनता द्वारा, जनता के लिए की भावना को मजबूत करते हैं, जो लोकतंत्र की नींव है।

उन्होंने कहा कि बरसों बाद औपनिवेशिक कानूनों में व्यापक बदलाव हुए हैं, जिसने देश को दंड की पुरानी अवधारणा से हटाकर न्याय की ओर प्रवृत्त किया है।

उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि यह प्रदर्शनी दिल्ली के बाद अब राजस्थान में नए कानूनों के क्रियान्वयन से आए परिवर्तनों को दर्शाएगी, जहां डेमो द्वारा विस्तृत जानकारी मुहैया कराई जाएगी।

अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) भास्कर ए सावंत ने कहा कि कानून को पढ़ना और समझना कठिन कार्य है परंतु इस प्रकार की प्रदर्शनियों के माध्यम से कानून को सरल व प्रायोगिक तरीके से समझना आसान हो जाता है। उन्होंने इस कार्य में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका को भी उजागर किया।

डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने नए कानूनों को नव विधान बताते हुए कहा कि यह पूरी तरह से पारदर्शिता और त्वरित न्याय प्रदायगी पर केंद्रित है। उन्होंने उल्लेख किया कि न्याय के लिए विभिन्न स्तरों पर समय सीमाएं तय की गई है, जिससे महिला, बच्चों और समाज के हर वर्ग को बिना किसी देरी के सुगमता से न्याय मिल सके। उन्होंने सभी हितधारकों और आमजन से अपील की कि वे न्याय की इन महत्वपूर्ण जानकारियों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने में सक्रिय भागीदारी निभाएं, ताकि कानूनी प्रक्रिया में आया यह सकारात्मक बदलाव जमीनी स्तर पर महसूस किया जा सके।

मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) भास्कर ए. सावंत और पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने जयपुर में आयोजित होने वाली ''नए अपराधी कानून प्रदर्शनी'' की जानकारी दी।

गोदाम निर्माण के लिए बड़े स्तर पर हो रहा भूमि का चिह्नीकरण

जयपुर (कासं)। राज्य में 2 से 15 अक्टूबर तक आयोजित किए जा रहे 'सहकार सदस्यता अभियान' के अंतर्गत अन्य गतिविधियों के साथ ही भूमिविहीन सहकारी समितियों के लिए गोदाम निर्माण हेतु भूमि का चिह्नीकरण कर आवंटन करवाने की कार्यवाही भी एक प्रमुख गतिविधि के रूप में की जा रही है। अभियान के अंतर्गत बड़ी संख्या में समितियों द्वारा भूमि चिह्नीकरण की कार्यवाही कर आवंटन के लिए आवेदन किया जा चुका है। भूमि आवंटन हो जाने से इन समितियों में गोदाम के निर्माण की राह प्रशस्त होगी, जिससे राज्य की भण्डारण क्षमता में आशातीत वृद्धि होगी।

राज्य में ऐसी 1975 पैक्स एवं 42 केवीएसएस हैं, जो या तो भूमिविहीन हैं या फिर जिनके पास गोदाम निर्माण हेतु पर्याप्त भूमि नहीं है। अभियान के अंतर्गत पूरे मनोयोग से प्रयास कर अधिक से अधिक समितियों हेतु गोदाम निर्माण के लिए भूमि चिह्नीकरण कर आवंटन करवाने की कार्यवाही की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक 1,145 पैक्स एवं 22 केवीएसएस द्वारा भूमि चिह्नीकरण की कार्यवाही सम्पन्न की जा चुकी है। वहीं, 1,112 पैक्स एवं 26 केवीएसएस द्वारा भूमि का आवंटन करवाने के लिए आवेदन किया गया है। इन समितियों को भूमि आवंटन की प्रक्रिया भी तेज गति से सम्पन्न करवाई जा रही है। उल्लेखनीय है कि 'सहकार से समृद्धि' परिकल्पना के अंतर्गत क्रियान्वित की जा रही है।